i-NEXT PAGE 4

रजिस्ट्रेशन का अंतिम दिन आज

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (5 Oct): बीएड काउंसिलिंग में सर्वर की प्रॉब्लम से काउंसिलिंग, च्वॉइस फिलिंग व सीट कंफर्मेशन फीस जमा न कर पाने वाले कैंडीडेंट्स को लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एक और मौका दिया है. बीएड एंट्रेंस एग्जाम की स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि बीएड काउंसिलिंग के तीसरे चरण व अन्य चरणों के छूटे हुए कैंडीडेंट्स के रजिस्ट्रेशन व च्वॉइस फिलिंग की डेट 6 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है.

आठ तक बढ़ाई गई डेट

वहीं जिन कैंडीडेंट्स को पहली काउंसिलिंग के फर्स्ट व सेकंड चक्र में सीट आवंटित हुई है और किन्हीं कारणों से सीट कंफर्मेशन फीस जमा नहीं कर पाए हैं. उनके लिए सीट कंफर्मेशन फीस जमा करने की डेट आठ अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है. ऐसे कैंडीडेंट्स लखनऊ यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर फीस जमाकर अपना आवंटन व अन्य प्रपत्र डाउनलोड कर लें. अन्यथा ऐसे कैंडीडेंट्स का सीट आवंटन निरस्त हो जाएगा. उन्होंने कैंडीडेंट्स को आवंटन पत्र व मूल प्रमाण पत्रों के साथ आवंटित डिग्री कॉलेज में संपर्क करने के लिए कहा है.

इसी सेशन से एनईपी के दायरे में आ जाएंगे स्टूडेंट्स

सेशन 2021-22 में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स पर ही लागू होगी एनईपी

पूर्व में ग्रेजुएशन कर चुके स्टूडेंट्स को एनईपी से नहीं जोड़ा जाएगा

LUCKNOW (5 Oct): एलयू समेत संबद्ध डिग्री कॉलेज में एकेडमिक सेशन 2021-22 के लिए ग्रेजुएशन एडमिशन की प्रक्रिया जारी है. इस सेशन से ही यूनिवर्सिटी ने ग्रेजुएशन लेवल पर नई शिक्षा नीति 2020 एनईपी लागू करने की घोषणा की है. इसके बाद से ही स्टूडेंट्स में असमंजस्य की स्थिति बन गई थी. खासकर ग्रेजुएशन कर रहे पुराने स्टूडेंट्स बार-बार कॉलेज प्रबंधन से पूछ रहे थे कि एनईपी में क्या ग्रेजुएशन में पढ़ने वाले पुराने स्टूडेंट्स भी इसमें आएंगे या नहीं. कॉलेज प्रबंधनों के पास एनईपी के कई सवालों के साथ इस सवाल का जवाब भी नहीं था. अब सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को एनईपी से जुड़े स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं.

डिग्री कॉलेज को मिले निर्देश

लखनऊ यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध लखनऊ, रायबरेली, लखीमपुर और हरदोई में 524 डिग्री कॉलेज हैं. जिनमें सेशन 2021-22 की एडमिशन प्रक्रिया जारी है. एनईपी में कोर्स कैसा होगा, विषयों का चयन कैसे करना है इसके लिए चार साल के ग्रेजुएशन कोर्स को किस-किस साल में छोड़ सकते हैं. दरअसल, एनईपी के तहत ग्रेजुएशन कोर्स तीन की जगह अब चार साल में पूरा होगा, लेकिन स्टूडेंट्स को सहूलियत दी जाएगी कि वह एक साल, दो साल, तीन साल में कभी मर्जी के अनुसार पढ़ाई छोड़कर डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, डिग्री या चार साल बाद बैचलर विद् रिसर्च की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं. ये सारे नियम और निर्देश डिग्री कॉलेजों प्राचार्य को दे दिए गए हैं.

"एनईपी 2020 के अन्तर्गत ही यूनिवर्सिटी और डिग्री कॉलेज में एडमिशन लिए जाएंगे. एनईपी जिस साल से लागू हुई है. उसी साल में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स एनईपी के दायरे में आएंगे. पूर्व में ग्रेजुएशन कर चुके स्टूडेंट्स इसके दायरे में नहीं आएंगे.

विनोद कुमार सिंह, रजिस्ट्रार, लखनऊ यूनिवर्सिटी

अपलोड होने लगा सिलेबस

ग्रेजुएशन लेवल पर एनईपी लागू होने से ग्रेजुएशन का नया सिलेबस भी बदल जाएगा. यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन के सभी कोर्सेज को तैयार करना शुरू कर दिया है.

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू:प्रथम वर्ष के छात्रों पर ही लागू होगी एनईपी

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय समेत सम्बद्ध महाविद्यालयों में सत्र 2021-22 के लिए स्नातक प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इस सत्र से ही विश्वविद्यालय ने स्नातक स्तर पर भी नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) लागू करने की घोषणा कर दी है।

इसके बाद से ही छात्र-छात्राओं में असमंसज की स्थिति बन गई थी। खासकर स्नातक कर रहे पुराने छात्र बार-बार कॉलेज प्रबंधन से पूछ रहे थे कि एनईपी में क्या स्नातक में पढ़ने वाले पुराने छात्र भी आएंगे या नहीं।

524 महाविद्यालय हैं एलयू से संबद्ध

04 जिलों में एलयू से संबद्ध महाविद्यालय हैं

एनईपी जिस वर्ष से लागू हुई है उसी वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्र एनईपी के दायरे में आएंगे। पूर्व में अध्ययनरत छात्र एनईपी के दायरें में नहीं आएंगे।

विनोद कुमार सिंह, रजिस्ट्रार, लविवि

कॉलेज प्रबंधनों के पास एनईपी के कई सवालों के साथ इस सवाल का जवाब भी नहीं था। अब सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को एनईपी से जुड़े स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिससे तय हो गया है कि लखनऊ विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में एनईपी के तहत ही सत्र 2021-22 में प्रवेश लिए जाएंगे लेकिन एनईपी सिर्फ प्रवेश लेने वाले स्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं पर ही लागू होगी। पूर्व में अध्ययनरत स्नातक छात्र-छात्राओं पर एनईपी का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अपलोड होने लगा पाठ्यक्रमः स्नातक स्तर पर एनईपी लागू होने से स्नातक का पाठ्यक्रम भी बदल जाएगा। विश्वविद्यालय में स्नातक के सभी पाठ्यक्रमों को तैयार करना शुरू कर दिया है। पाठ्यक्रम तैयार होते ही उसे विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जा रहा है जिससे छात्र जान सकें कि एनईपी के तहत उन्हें किस सेमेस्टर में क्या पढ़ना होगा।

एनईपी से जुड़े निर्देश महाविद्यालयों को मिले

लखनऊ, रायबरेली, लखीमपुर और हरदोई में 524 महाविद्यालय हैं जिनमें सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया जारी है। एनईपी के तहत स्नातक पाठ्यक्रम तीन की जगह अब चार वर्ष में पूरा होगा लेकिन छात्रों को सहूलियत दी जाएगी कि वह एक साल, दो साल, तीन साल में कभी मर्जी के अनुसार पढ़ाई छोड़कर डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, डिग्री या चार वर्ष पूर्ण कर बैचलर विद् रिसर्च की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

13 अफगान छात्रों को छात्रवृत्ति मिली

लखनऊ। भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् ने अफगान नागरिकों के लिए विशेष अध्येतावृति योजना के अन्तर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय से हाल में ही परास्नातक हुए 13 अफगान विद्यार्थियों को पीएचडी के लिए छात्रवृत्ति प्रदान कर दी है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि, हमने लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

TOI PAGE 3

BEd admissions: LU extends date for choice filling, fee submission

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has extended the last date for choice filling and fee submission for BEd candidates considering their complaint of internet unavailability and network issues in their localities.

"Keeping in view the problems of candidates in rural areas, the LU has decided to give more chance to candidates who could not lock their choices. Candidates called in the first and second rounds of counseling can now fill choices till October 6," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Those who have already locked seats but could not submit seat confirmation fees can now submit the same till October 8

Those who have already locked seats but could not submit seat confirmation fees can now submit the same till October 8. After it, they must download their allotment-cum-confirmation letter from the LU website and deposit the remaining college fee amount at the allotted college.

They will have to report to the allotted college with their allotment letter and original certificates. Any candidate who does not report at the college his/her candidature will be cancelled,

Srivastava said that the candidates should note down college code from the list of colleges available on the website before selecting the colleges in the 'choice-filling' process and fill them in the order of their interest so that they get admission to B.Ed college of your choice. Candidates should fill in their choices carefully. Once the options are locked, no change will be possible in them, he added.